University in News on 10 Feb 2020

AMAR UJALA-MY CITY Page No. 5

आज चूके तो नहीं कर सकेंगे पीएचडी के लिए आवेदन

लविवि में विभिन्न विषयों की 492 सीटों पर होने हैं दाखिले

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन का सोमवार को अंतिम मौका होगा। लविवि में बिना विलंब शुल्क आवेदन करने की अंतिम तारीख छह फरवरी थी। सात फरवरी से एक हजार रुपये विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने का मौका दिया गया था। लविवि ने इस साल पीएचडी की 492 सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन फॉर्म मांगे हैं। सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन फीस बिना विलंब शुल्क के दो हजार तथा एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए एक हजार रुपये निर्धारित की है।

पीएचडी के लिए आवेदन करने के लिए परास्नातक स्तर पर न्यूनतम 55 फीसदी अर्हता निर्धारित की गई है। हालांकि एससी-एसटी और ओबीसी अभ्यर्थियों को इसमें पांच फीसदी छूट मिलेगी। यह छूट केवल परास्नातक के अंकों में ही मान्य होगी। प्रवेश परीक्षा के अंकों में किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। पीएचडी के आवेदन फॉर्म विवि की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर भरे जा सकते हैं। पीएचडी प्रवेश परीक्षा 16 मार्च से प्रस्तावित है। प्रवेश परीक्षा 70 नंबर की होगी, इसमें 50 फीसदी सवाल शोध प्रविधि और 50 फीसदी संबंधित विषय पर आधारित होंगे। विषय के सवाल विवि में परास्नातक पर पढ़ाए जा रहे सिलेबस से होंगे। परीक्षा बहुविकल्पीय प्रणाली पर होगी। एक अभ्यर्थी को अधिकतम दो विषय में आवेदन करने की छूट प्रदान की गई है। इसके लिए उसे एक ही पंजीकरण नंबर का उपयोग करना होगा। हालांकि दो विषयों में आवेदन करने से उन्हें फीस में कोई छूट नहीं मिलेगी। शोध प्रविधि के प्रश्नपत्र के सिलेबस पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। जल्द ही इस पर फैसला किया जाएगा। दूसरा पेपर पूरी तरह से विषय आधारित होगा। परीक्षा में 50 फीसदी अंक लाने पर ही उन्हें साक्षात्कार के योग्य माना जाएगा। साक्षात्कार 30 नंबर का होगा।

एमफिल के आवेदन पर अभी फैसला नहीं

लविवि में पीएचडी के आवेदन की अंतिम तारीख सोमवार को समाप्त हो जाएगी, दूसरी तरफ एमफिल के आवेदन पर अभी तक स्थिति साफ नहीं हुई है। यूजीसी के नये अध्यादेश में एमफिल की सीट संख्या शिक्षक संख्या के हिसाब से तय होनी है। विवि ने पीएचडी की सीट तय कर दी, लेकिन एमफिल के दाखिलों पर कोई फैसला नहीं किया। लविवि में 10 विषयों में एमफिल पाठ्यक्रम का संचालन होता है। हिंदी में चलने वाला एमफिल पाठ्यक्रम रेग्यूलर है। बाकी सभी पाठ्यक्रम वित्तविहीन हैं, लेकिन विवि ने हिंदी में भी एमफिल दाखिले तीन साल से नहीं किए हैं।

NBT Page No. 8

एलयू के साथ कैंटीनों के बहस-मुबाहिसे भी 100 साल के हुए

जब कैंटीनें थीं छात्रों का सोशल मीडिया

यूनियन कैंटीन

गर्ल्स कैंटीन

तोता राम-मोटा राम की कैंटीन

किशोरी की कैंटीन

नजर आती थी तहजीब

घर जैसा था माहौल

पहले पिता, फिर बेटे ने संभाली कैंटीन

i-next Page No. 2

टेंडर हो गया पुराना अब जेम्स पोर्टल का जमाना

INITIATIVE

CONCEPT PIC

एलयू टेंडर प्रक्रिया को खत्म करने की कर रहा तैयारी

अब गवर्नमेंट पोर्टल से सभी चीजों की होगी खरीदारी

LUCKNOW (9 Feb, inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी में कोई भी सामान मंगवाने, नया निर्माण करने के साथ ही ऐसी कोई भी चीज जिसमें टेंडर की जरूरत होती है, उस व्यवस्था को समाप्त कर दिया जाएगा. अब यूनिवर्सिटी प्रशासन हर चीज की खरीदारी गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस जेम्स पोर्टल से करेगा. इसके लिए एलयू विभागाध्यक्ष व संकायाध्यक्ष को ट्रेनिंग भी दी जा रही है. यूनिवर्सिटी वीसी का कहना है कि सरकार ई-पोर्टल के माध्यम से बाजार से कम रेट पर सामान मुहैया करा रही है.

नहीं करनी होगी टेंडर प्रक्रिया

यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने बताया कि जेम्स पोर्टल की ट्रेनिंग पूरी होने के बाद सभी प्रोफेसर इसी से खरीदारी करेंगे. खरीदारी होने के बाद फाइनेंस डिपार्टमेंट इसका डायरेक्ट पेमेंट कर देगा. यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इसके लिए जेम्स पोर्टल पर विभागाध्यक्ष और संकायाध्यक्ष को अपना-अपना लॉगिन-आईडी बनाना होगा. इसके बाद उन्हें अगर सामान खरीदना है तो उसका पूरा डिस्क्रिप्शन पोर्टल पर अपलोड करना होगा. इसके बाद पोर्टल पर कई कंपनियों द्वारा दिए गए डिस्क्रिप्शन के आधार पर सामान का ऑप्शन दिखने लगेगा. फिर खरीदारी कर सकते हैं.

कर्मचारियों की नियुक्ति भी इसी पोर्टल से कराने की तैयारी

लखनऊ यूनिवर्सिटी इसी पोर्टल से आने वाले समय में थर्ड व फोर्थ क्लास के कर्मचारियों की नियुक्ति भी करेगा. इसके लिए उसे जेम्स पोर्टल पर जाकर जिस काम के लिए कर्मचारी चाहिये उसके अनुसार अर्हता व सैलरी स्ट्रक्चर अपलोड करना होगा. इसके बाद जेम्स पोर्टल सेवायोजन कार्यालय में रजिस्टर्ड कैंडीडेट्स में से कुछ की लिस्ट यूनिवर्सिटी को मुहैया करा देगा. इसके बाद यूनिवर्सिटी लिस्ट में शामिल कैंडीडेट्स को चयनित कर सकता है. फिलहाल यूनिवर्सिटी थर्ड व फोर्थ क्लास के कर्मचारियों की नियुक्ति आउटसोर्सिंग से करती है.